नव भारत, भोपाल
31 AUG 2010

मध्यप्रदेश का खेल गौरव

मध्यप्रदेश ने खेलों के प्रोत्साहन में देश का सिरमौर बनने का गौरव प्राप्त कर लिया है. 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को ''राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2010'' प्रदान किया. इसके प्रशस्ति उल्लेख में कहा गया कि मध्य प्रदेश दूसरे राज्यों के लिए एक ''रोल मॉडल'' बन गया है और उन्हें खेलों के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का अनुसरण करना चाहिए.

मध्यप्रदेश ने अपना खेल बजट 4 करोड़ से बढ़ाकर 70 करोड़ करा दिया है. यह 66 करोड़ बढ़ाने की छलांग भी खेल के क्षेत्र में एक ''खेल रिकार्ड'' है. राज्य में 16 खेल अकादमियां चल गई हैं. इनकी स्थापना पर 15 करोड़ खर्च किए गए जिनमें इस समय 369 खिलाड़ी प्रशिक्षण पा रहे हैं. मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं दी जाएंगी. जरूरत हुई तो उन्हें प्रशिक्षण के लिए विदेशों में भी भेजा जाएगा. उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय नौकरियों में भी उचित स्थान दिया जाएगा. खेल दिवस पर भोपाल में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 23 खिलाड़ियों व तीन कोच को विक्रम, एकलव्य एवं विश्वामित्र सम्मानों से पुरस्कृत किया. खेल के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने अपने आप को नगरों तक ही सीमित नहीं रखा है. ग्रामीण अंचलों में भी खेलों के अभी तक 46 जिलों में 446 ग्रामीण खेल मैदानों का निर्माण पूरा कर दिया गया है और यह सिलसिला जारी है. इसके लिए 5 हजार से अधिक आबादी वाले 381 गांवों को चिन्हित किया गया है.

इतनी बड़ी तैयारियों में अब मध्यप्रदेश से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय व विश्व स्तर पर अपना नाम पैदा करें जैसे हैदराबाद की सानिया मिर्जा व सायना नेहवाल टेनिस व बेडमिंटन में विश्व स्तर पर हैं. भोपाल के श्री असलम शेर खान भी ओलम्पिक हॉकी में अपना जौहर दिखा चुके हैं. ग्वालियर भी हॉकी सम्राट मेजर ध्यानचंद के हॉकी सहयोगी श्री रूपसिंह का नगर है. आशा की जाती है कि अब मध्यप्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय व ओलम्पिक स्तर पर स्वर्ण पदक पाएंगे.